भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2584
23/03/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

पानी के भीतर शोर उत्सर्जन से समुद्री जीवन को खतरा

2584. डा. अमी याज्ञिक:
श्री सैयद नासिर हुसैन:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार मानव निर्मित पानी के भीतर शोर उत्सर्जन (यूएनई) में वृद्धि से भारतीय जल में समुद्री स्तनपायियों के जीवन के लिए उत्पन्न खतरे से अवगत है;

(ख) क्या वाणिज्यिक जहाजों का बार-बार नौवहन यातायात पानी के भीतर शोर उत्सर्जन का एक प्रमुख कारण है, यदि हां, तो सरकार की इसे कम करने की योजना क्या है;

(ग) क्या राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनीससीआर) भारतीय समुद्रों में पानी के भीतर शोर के स्तर के बारे में जानकारी एकत्र करता है;

(घ) (क) और (ग) के लिए, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या डीप ओशन मिशन या नेशनल पॉलिसी फॉर ब्लू इकोनॉमी उपरोक्त समस्या का समाधान करेगी?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां।

(ख) जी हां। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT) के माध्यम से भारतीय समुद्रों में शोर की निगरानी करने से सम्बन्धित परियोजनाएं संचालित कर रहा है। तथापि, इन कारणों को कम करने से सम्बन्धित अनुसंधान गतिविधियां अभी नहीं की जा रही हैं।

(ग) जी नहीं। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (NCCR) भारतीय समुद्रों में अंतर्जलीय शोर स्तर सम्बन्धी सूचना एकत्रित करने में नहीं शामिल है।

(घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अन्तर्गत राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT) भारतीय समुद्रों में अंतर्जलीय शोर स्तर सम्बन्धी सूचना एकत्रित करता है। मानव-निर्मित अंडरवॉटर न्वॉयज एमिशन (UNE) की निगरानी के लिए ऑटोनॉमस न्वॉयज मेजरमेंट सिस्टम विकसित किया गया है, और भारतीय समुद्र में तैनात किया गया है।

(ङ) जी नहीं। राष्ट्रीय समुद्री अर्थव्यवस्था नीति अथवा डीप ओशन मिशन में इसका स्पष्ट रूप से समाधान नहीं किया गया है।

*****